हज़रत मुफ़्ती सैय्यद अब्दुल रहीम लाजपूरी (रह0)

मुफ़्ती अब्दुल रहीम लाजपूरी रह0 शहर सूरत गुजरात के एक सैय्यद परिवार में पैदा हुए।

जामिया हुसैनिया रानदेर से फ़ज़ीलत की शिक्षा प्राप्त की और रानदेर की जामा जस्जिद में इमाम और शिक्षक हुए और वहीं धर्म उपदेश का अभ्यास करके लोगों के प्रश्नों का उत्तर देना शुरू किया। आपके अत्याधिक अध्ययन और तर्कपूर्ण विचारों के कारण आपके धर्म आदेश (फ़तावा) बहुत प्रसिद्ध हुए और जीवन भर आप लोगों के जवाब बहुत ही सहज एवं विवेकपूर्ण रूप से देते रहे।

आपके फ़तावा की उपयोगिता न सिर्फ साधारण लोगों के मध्य भी बल्कि बुद्धिजीवि एवं विद्वान लोग भी लाभ उठाते थे। इसी वजह से पूरे देश में फ़तावा रहीमिया की मांग और उपयोगिता बढ़ गई आज इसके दस जिल्दें सामान्य लोगों और विद्वानों के लिए उपलब्ध हैं।

☆☆☆